www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
1 सितम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 118 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

खाड़ी में फिर शुरू हुए अमरीकी हमले, बढ़ा तनाव

ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान से मिले पीएम मोदी

अमरीकी हमले के बाद पहली बार हुई यह मुलाकात

बिश्केक (एजेंसी)। शंघाई हयोग संगठन (एससीओ) की ाखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए र्गिस्तान पहुंचे पीएम मोदी ने ईरान के ष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ लाकात की है। इस दौरान ईरान के देश मंत्री अब्बास अराघची भी जूद थे। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद हली बार पीएम मोदी और ईरानी ष्ट्रपति के बीच मुलाकात हुई है। यह लाकात ऐसे समय पर हुई है जब ईरान और अमेरिका के बीच फिर से जंग रू हो गई है।

दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जोरदार मले किए हैं। माना जा रहा है कि इसमें र्मुज नाकेबंदी, चाबहार पोर्ट और गों जहाजों पर हो रहे हमले प्रमुखता उठे हैं। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति और पीएम मोदी के बीच अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन में मुलाकात हुई थी। ईरान युद्ध होने के बाद पीएम मोदी और पेजेश्कियान के बीच अब तक कई बार बातचीत हो चुकी है। इस दौरान तनाव को घटाने, नागरिकों की रक्षा, होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बातचीत हुई थी। पीएम मोदी और पेजेश्कियान के बीच बातचीत की अभी पूरी डिटेल सामने नहीं आई है।

अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन पर ईरान का मिसाइल अटैक

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। आईआरजीसी ने दावा किया कि हमेशा सतर्क रहने वाले ईरान के आधुनिक एयर डिफेंस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज के हवाले से बताया कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दावे के अनुसार, सोमवार तड़के आईआरजीसी आधुनिक एयर डिफेंस फोर्स ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिका के लंबी दूरी वाले एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया।
आईआरजीसी ने कहा कि ईरान के आधुनिक एयर डिफेंस के हमेशा सतर्क रहने वाले लड़ाकों ने सोमवार तड़के मिसाइल से अमेरिका के लंबी दूरी वाले ड्रोन को निशाना बनाया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर अमेरिका का एक एमक्यू-9 ड्रोन उड़ रहा था। तभी ईरानी वायु रक्षा मिसाइलों से त्वरित कार्रवाई की।

ऋषिकेश के पास सड़क हादसे में भाई—बहन की मौत

श्रीनगर गढ़वाल, ऋषिकेश के निकट मालाकुंठी क्षेत्र में सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में श्रीनगर के भक्तियाना निवासी भाई—बहन की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही भक्तियाना सहित पूरे श्रीनगर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों की पहचान ऋषभ सेमवाल और उनकी बहन रक्षा सेमवाल के रूप में हुई है। दोनों राकेश सेमवाल के पुत्र—पुत्री बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बदरीनाथ हाईवे पर मालाकुंठी के समीप कार और डंपर की आमने—सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार डंपर के नीचे जा घुसी। हादसे में कार सवार भाई—बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। बताया गया कि रक्षा सेमवाल कीर्तिनगर स्थित अस्पताल में लैब टेक्निशियन के पद पर कार्यरत थीं। वहीं, उनके भाई ऋषभ सेमवाल सिंचाई विभाग में अवर अभियंता (जेई) के साथ अस्थायी तौर पर कार्य करते थे। मृतकों के पिता राकेश सेमवाल सिंचाई विभाग में प्रशासनिक अधिकारी बताए जा रहे हैं। एक ही परिवार के भाई—बहन की इस तरह असमय मौत ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में रिश्तेदार, परिचित और क्षेत्रवासी भक्तियाना स्थित उनके आवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। क्षेत्रवासियों ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत भाई—बहन को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार

एससी ने कहा-कोई अप्रिय घटना होगी ऐसी संभावना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा। यह

याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट को देखते हुए बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। सीजेपी ने एक्स पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गईं चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए। तीसरी- दिल्ली पुलिस माफी मांगे।

दिल्ली में 47 लाख नाम एसआईआर ड्राफ्ट रोल से बाहर

महाराष्ट्र के 2 करोड़ 7 लाख नाम छूटे, 30 सितंबर तक आपत्ति दर्ज कराने की तारीख

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और दिल्ली में एसआईआर के तहत 31 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर रोल यानी प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई। दिल्ली में कुल 1 करोड़ 45 लाख मतदाता हैं। इनमें से 47 लाख 56 हजार

722 मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर हैं। वहीं, महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राफ्ट रोल में नहीं हैं। डिजिटाइजेशन के लिए फॉर्म जमा न होने और अन्य तकनीकी कारणों से कई मतदाताओं के नाम फिलहाल इस सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट, विदेशी और अन्य मामले शामिल हैं। जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, वे आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

एमपी के मंत्री विजय शाह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें!

कर्नल सोफिया कुरैशी केस में सुप्रीम कोर्ट से आ गया बड़ा अपडेट

विजय-शाह के 'आतंकवादियों की बहन' केस में एसआईटी जांच पूरी

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' कहा था। उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का है इंतजार

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अभियोजन की मंजूरी के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं किया। राज्यपाल के फैसले का इंतजार करने का रुख अपनाया।

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने अमेरिकी कंपनी से मिलाया हाथ

अब भारत में बनेगा 'टैंकों का काल', हो गई डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए हाल में एक डील की थी। लेकिन अब इस मिसाइल को भारत में भी बनाया जाएगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने जैवलिन जॉइंट वेंचर के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसका मकसद भारत में जैवलिन ऑल अप राउंड मिसाइल के संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाना है। जैवलिन जॉइंट वेंचर में रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की पार्टनरशिप है। इस मिसाइल को टैंकों का काल कहा जाता है। जैवलिन मीडियम रेंज की गाइडेड मिसाइल है जिसे टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि दोनों कंपनियां भारत में एक समर्पित फाइनल असेंबली और इंटीग्रेशन फैसिलिटी बनाने के साथ-साथ कंपोनेंट बनाने की क्षमताओं पर भी विचार करने की योजना बना रही हैं। प्रस्तावित फैसिलिटी भविष्य की उत्पादन जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देगी। प्रस्तावित उत्पादन मॉडल अमेरिकी सप्लाई चेन को भारतीय असेंबली लाइनों से जोड़ेगा।

नेपाल में भारतीय फोरेंसिक-टनल रेस्क्यू टीम तैनात

शवों की पहचान के लिए डीएनए जांच में करेगी मदद

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए भारत ने भी अपनी फोरेंसिक और टनल रेस्क्यू टीमें तैनात कर दी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत की 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम ने काठमांडू में काम शुरू कर दिया है। यह टीम बाढ़ पीड़ितों के शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल की जांच में मदद करेगी। वहीं, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने चिलिमे और लांगटांग के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में नेपाल सेना के सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 902 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है।

फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली-3ए समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने पर जमा मलबा और कीचड़ हटाकर अंदर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। रेस्क्यू टीमों में नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ भारत और चीन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीमें सुरंगों के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

सद्गुरु का नेपाल के राहत कोष में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान

सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को काठमांडू में 'इन सॉलिडैरिटी विद नेपाल' कार्यक्रम में यह घोषणा की। सद्गुरु ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा से निपटने की जिम्मेदारी अकेले नेपाल की नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों के लिए भारत, चीन, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान का साझा हिमालयी बोर्ड बनाने का सुझाव भी दिया। बाढ़ ने नेपाल-चीन के अहम व्यापारिक रास्ते रासुवागढ़ी-केरुंग बॉर्डर को भारी नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ में सीमा चौकी, नेपाल-चीन को जोड़ने वाला फ्रेंडशिप ब्रिज और तिमुरे का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया। यह रास्ता नेपाल के लिए इसलिए अहम है क्योंकि चीन से आने वाला बड़ी मात्रा में सामान इसी रूट से देश में पहुंचता है। रास्ता बंद होने से सामान की आवाजाही प्रभावित हुई है और कारोबारियों की मुश्किल बढ़ गई है।

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास जबरदस्त विस्फोट

पटाखा फैक्ट्री में हादसा, 11 लोगों की हुई मौत, 15 झुलसे

7 से ज्यादा घर गिरे, लोग चारपाई पर घायलों को लेकर भागे

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन दो किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजर से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे।

मुश्किल वक्त में दूसरों की 'मदद' करना भारत की परंपरा

कनाडा में भागवत बोले-विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती

कहा-'ये मेरा, वह तुम्हारा' की सोच से हमें ऊपर उठना होगा

टोरंटो (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

भारत ने मुस्लिम-ईसाई सभी को स्वीकार किया

भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि इंसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है।

विदेशों में रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप युवाओं को दिया जाए कौशल एवं भाषा प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी, इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम एवं जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने भेंट की। इस दौरान संबंधित देशों में रोजगार की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता तथा उत्तराखंड के युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन देशों में जिन क्षेत्रों में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं और जहां कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनकी जानकारी प्राप्त करने के लिए संबंधित भारतीय मिशनों के साथ नियमित समन्वय रखा जाए। उन्होंने कहा कि विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और वहां की आवश्यकता के अनुरूप राज्य के युवाओं को कौशल एवं आवश्यक भाषा प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में होम स्टे के क्षेत्र में सराहनीय कार्य

हुए हैं। विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को राज्य के होम स्टे मॉडल से परिचित कराने के लिए होम स्टे का भ्रमण कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फार्मा, उद्योग, आयुर्वेद और वेलनेस के क्षेत्र में उत्तराखंड में अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में राज्य की विशेषताओं और संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है। उन्हें वैश्विक मांग के अनुरूप आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न देशों में कुशल मानव संसाधन की मांग और रोजगार की संभावनाओं का आंकलन करते हुए युवाओं के प्रशिक्षण के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उत्तराखंड के युवाओं को मिले, इसके लिए संबंधित देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय मिशनों के साथ समन्वय बनाकर विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने तथा उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सुनियोजित तरीके से कार्य किया जाए।

कोसी बैराज पर खतरे की स्थिति

नैनीताल। कोसी बैराज पर सोमवार रात जलस्तर को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। रात 8:20 बजे बैराज पर 1,88,995 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। जलस्तर का ट्रेंड फिलहाल स्थिर बताया गया है, लेकिन बैराज की स्थिति उंल्लत्र्ीा१ घोषित की गई है। जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर बैराज के 20 गेट खोल दिए गए हैं, ताकि अतिरिक्त पानी की निकासी की जा सके। प्रशासन और संबंधित विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जलस्तर के खतरे की स्थिति में कोसी नदी के आसपास और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। लोगों से अपील की गई है कि वे नदी, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के नजदीक जाने से बचें तथा प्रशासन की ओर से जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें। फिलहाल जलस्तर का ट्रेंड स्थिर होने से कुछ राहत है, लेकिनस्थिति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है।

एक नजर

10 सितंबर तक सड़क नहीं बनी तो खुद शुरू करेंगे कटिंग

गोपेश्वर। विकासखंड कर्णप्रयाग के सकंड गांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को लेकर आर–पार की लड़ाई का एलान किया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी यदि 10 सितंबर तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो 11 सितंबर से वे अपने निजी संसाधनों और श्रमदान से सड़क की कटिंग शुरू कर देंगे।

ग्रामीणों के अनुसार सिधौंली सड़क से सकंड गांव तक करीब सात किलोमीटर सड़क का निर्माण होना है। इसके लिए वर्ष 2016 में स्वीकृति के बाद सर्वे किया गया था लेकिन वर्ष 2023 में अधिक पेड़ों के कटान का हवाला देकर सड़क को निरस्त कर दिया गया। आंदोलन के बाद पांच जनवरी 2026 को विधायक अनिल नौटियाल ने लोनिवि को दोबारा सर्वे के निर्देश दिए लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने कहा कि वे करीब 40 वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं और आज भी पैदल आवाजाही के लिए मजबूर हैं। विधायक महीने में दो बार गांव आएं तभी उनकी पीड़ा समझ पाएंगे। ज्ञापन देने वालों में रघुवीर सिंह, महेंद्र सिंह, विजया देवी, दाताराम, नर्वदा देवी, उम्रा देवी, युद्धवीर और गजेंद्र सिंह आदि शामिल रहे। इधर प्रभारी जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि सड़क निर्माण के संबंध में संबंधित विभाग से बात कर शीघ्र कार्रवाई शुरू की जाएगी।

भवन तैयार इंटीग्रेटेड बीएड शुरू करने के लिए शासन की मंजूरी का इंतजार

नई टिहरी। फूल सिंह बिष्ट महाविद्यालय में इंटीग्रेटेड बीएड शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे छात्र–छात्राओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से बीएससी बीएड और बीए बीएड शुरू करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशालय को प्रस्ताव भेजा गया है लेकिन निदेशालय और शासन से इसकी स्वीकृति नहीं मिल पाई है। ऐसे में इस शिक्षा सत्र में भी क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को इंटीग्रेटेड बीएड में प्रवेश के लिए देहरादून या अन्य शहरों का रुख करना पड़ रहा है।

टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पौड़ी जिलों के राजकीय महाविद्यालयों में इंटीग्रेटेड बीएड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। लंबगांव महाविद्यालय में इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू होने पर उक्त पर्वतीय जिलों के छात्र–छात्राओं को प्रवेश मिलने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन शासन–प्रशासन के स्तर पर लेट लतीफी के चलते इस सत्र में प्रवेश शुरू नहीं हो पाया। गत वर्ष नवंबर 2025 में जल निगम ने 3 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से बीएड भवन का निर्माण पूरा कर इसे महाविद्यालय प्रशासन को सौंप दिया था। भवन तैयार होने के बाद इंटीग्रेटेड बीएड शुरू होने की उम्मीद जगी थी लेकिन अब स्वीकृति मिलने का इंतजार लंबा होता जा रहा है। महाविद्यालय की ओर से बीएससी बीएड और बीए बीएड की 40–40 सीटों का प्रस्ताव भेजा गया था।

जामल में महिला पर गुलदार का हमला

यमकेश्वर। विकासखंड यमकेश्वर के जामल गांव में गुलदार ने एक महिला पर हमला कर उसे घायल कर दिया। गनीमत रही कि साथ में मौजूद अन्य महिलाओं ने शोर मचाकर गुलदार को भगा दिया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। पिंकी देवी (48) पत्नी मेहरबान सिंह चौहान सोमवार दोपहर करीब तीन बजे घर से लगभग एक किमी दूर भड़ेत गदेरे में बकरी चराने गई थी। तभी गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में महिला के पैरों में गुलदार के नाखून लग गए जिससे महिला लहुलुहान हो गई। साथ में पशु चरा ला रही अन्य महिलाओं ने साहस दिखाते हुए शोर मचाया जिससे गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र यमकेश्वर पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही ब्लॉक प्रमुख सीता चौहान और बीडीओ आकाश बेलवाल सीएचसी यमकेश्वर पहुंचे, घायल महिला का हालचाल जाना। वहीं डीएफओ लैंसडौन गौरव वर्मा ने बताया कि जामल गांव में गुलदार के हमले में महिला घायल हुई है। गांव में टीम भेजकर जांच की जाएगी। घायल को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म कांड ने खोली होटल के काले कारोबार की परतें

ऋषिकेश। पुराने रेलवे स्टेशन के समीप चेला चेतराम मार्ग पर एक होटल में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ होटल की संदिग्ध काले कारोबार की परतें खुलती जा रही हैं। पुलिस जांच में होटल का इस्तेमाल अनैतिक गतिविधियों के लिए किए जाने की बात सामने आने के बाद अब होटल मालिक और मैनेजर की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि होटल में अतिरिक्त रकम लेकर कमरों की बुकिंग की जाती थी और पहचान संबंधी दस्तावेज की पूरी जांच तक नहीं की जाती थी।

रविवार को जांच के दौरान सामने आए तथ्यों ने मामले को और गंभीर बना दिया। बताया जा रहा है कि होटल संचालक को युवक के दूसरे धर्म से होने और युवती के नाबालिग होने की जानकारी थी। इसके बावजूद कथित तौर पर अतिरिक्त रकम लेकर दोनों को कमरा उपलब्ध कराया गया। और पहचान संबंधी पूरे दस्तावेज भी नहीं लिए गए। मामले में होटल की निगरानी व्यवस्था भी संदेह के घेरे में है। जांच में सीसीटीवी कैमरे जानबूझकर बंद किए जाने की बात सामने आई है। कैमरे बंद होने के पीछे बिजली नहीं होने का बहाना बनाए जाने की जानकारी मिली है। जांच में होटल में आधे–अधूरे पहचान दस्तावेज के आधार पर कमरे उपलब्ध कराने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि ऐसे कमरों के लिए सामान्य किराये से अतिरिक्त रकम वसूली जाती थी। पुलिस इससे होटल में अनैतिक गतिविधियों की संचालन पर भी जांच कर रही है।

दुष्कर्म के बाद नाबालिग का वीडियो बनाने का आरोप

मामले में दुष्कर्म के बाद नाबालिग का वीडियो बनाए जाने की बात सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार दुष्कर्म के बाद आरोपी ने नाबालिग का वीडियो बनाया। बताया जा रहा है कि वीडियो बनाते समय आरोपी हंस रहा था। पुलिस अब आरोपी और उसके दोस्त के मोबाइल फोन को ट्रेस करने के साथ डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

बारिश ने खोली जल निकासी व्यवस्था की पोल

विकासनगर/देहरादून। बारिश के बाद एक बार फिर विकासनगर से लेकर देहरादून जिले के विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति ने सड़कों और गलियों की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई स्थानों पर सड़कें और मोहल्लों की गलियां पानी से लबालब नजर आ रही हैं, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के दौरान सबसे बड़ा सवाल जलनिकासी व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। कहीं नालियां ओवरफ्लो हो रही हैं तो कहीं सड़क किनारे पानी की निकासी का उचित इंतजाम नहीं होने से बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो गया है। कई मोहल्लों में जलभराव के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।

दून वैली टाइम्स ने लोगों से अपने–अपने क्षेत्र की वास्तविक स्थिति सामने लाने की अपील की है। विकासनगर, सहसपुर, सेलाकुई और देहरादून के अन्य इलाकों में रहने वाले लोग जलभराव वाली जगहों की फोटो और वीडियो भेजकर स्थान का नाम साझा कर सकते हैं।

प्रशासन तक पहुंचेगी ग्राउंड रिपोर्ट

लोगों से यह भी जानकारी मांगी जा रही है कि उनके क्षेत्र में कौन–सी सड़क पर आवाजाही प्रभावित है, किन गलियों में तालाब जैसे हालात हैं और कहां नाले अथवा ड्रेनेज सिस्टम बारिश के दौरान जवाब दे रहा है।

तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से बारिश के बाद जमीनी हालात को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि संबंधित विभागों और प्रशासन का ध्यान प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जा सके।

लोगों से अपील

तेज बारिश के दौरान जलभराव और तेज बहाव वाले रास्तों पर अनावश्यक जोखिम न लेने की अपील की गई है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा लगाए बिना ऐसे रास्तों से गुजरने से बचना चाहिए।

अर्थव विला में जानलेवा हमले का मामला: चार आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। क्लेमेंटाउन थाना क्षेत्र के टर्नर रोड स्थित अर्थव विला में 21 अगस्त की रात हुए कथित जानलेवा हमले के मामले में दून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चैतन्य राज शेखर, उदित, शिवांश अग्रवाल और रोहित को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल अन्य नामजद एवं अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त की रात अर्थव विला में शिवा, रुद्र प्रताप और पुष्कर के साथ मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि हमले में तीनों को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी देहरादून के निर्देश पर पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे उउळश् कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज तथा अन्य जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

चार गिरफ्तार, बाकी की तलाश तेज

पुलिस का कहना है कि प्रकरण में शामिल अन्य नामजद और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों को भी जुटा रही है। घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई से साफ है कि कानून–व्यवस्था बिगाड़ने और मारपीट जैसी गंभीर वारदातों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान ही होगी।

उक्रांद ने की प्रभावी रोजगार नीति लागू करने की मांग

गोपेश्वर। उत्तराखंड क्रांति दल ने राज्य में प्रभावी और ठोस रोजगार नीति लागू करने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में उक्रांद के केंद्रीय प्रवक्ता सत्यप्रकाश सती ने कहा कि उत्तराखंड राज्य बने 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। राज्य आंदोलन के दौरान रोजगार प्रमुख मुद्दों में शामिल था, लेकिन आज तक प्रदेश में ठोस रोजगार नीति नहीं बन पाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में बारी–बारी से दोनों राष्ट्रीय दलों की सरकारें सत्ता में आईं, लेकिन युवाओं के रोजगार के लिए प्रभावी नीति बनाने में सरकारें असफल रही हैं।रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं होने के कारण प्रदेश के युवा लगातार पलायन कर रहे हैं और रोजगार की तलाश में दर–दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, लेकिन रोजगार के अभाव में उसका लाभ प्रदेश को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार से युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और तत्काल ठोस रोजगार नीति बनने की मांग की है।

शिकायत के बाद जागा जिला पंचायत

नैनबाग (टिहरी)। नैनबाग बाजार में लंबे समय से बनी कूड़ा निस्तारण की समस्या की शिकायत के बाद जिला पंचायत अब हरकत में आई है। तहसील दिवस में दर्ज शिकायत का संज्ञान लेने के बाद जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई ठेकेदार को तत्काल कूड़ा उठान और निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी गणेश भट्ट की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि ग्राम परोगी निवासी राजेश सिंह सजवाण ने तहसील दिवस में नैनबाग में कूड़ा निस्तारण नहीं होने की शिकायत की थी। शिकायत के बाद संबंधित सफाई ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि कूड़ा वाहन के निर्धारित रोस्टर के अनुसार जिला पंचायत अथवा विकासखंड कार्यालय के वाहन से संबंधित स्थानों से कूड़ा उठाकर उसका निस्तारण किया जाए। नैनबाग बाजार में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही कार्रवाई के फोटो और वीडियो जिला पंचायत के सफाई संबंधी समूह में भेजने को कहा। शिकायतकर्ता राजेश सिंह सजवाण का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जमा होने से बाजार की स्वच्छता और पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। अब देखना होगा कि जिला पंचायत के निर्देश धरातल पर उतर पाता है या नहीं। उन्होंने नैनबाग बाजार में नियमित कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था करने की मांग की,

तकनीक और चिकित्सा एक–दूसरे की सहयोगी शक्तियां: प्रो. मीनू

ऋषिकेश। एम्स में टेलीमेडिसिन सोसायटी ऑफ इंडिया, उत्तराखंड चैप्टर की पहल पर सोमवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से पहुंचे विशेषज्ञों, चिकित्सकों और शिक्षकों ने आधुनिक तकनीक के सुरक्षित व प्रभावी इस्तेमाल पर विचार साझा किए। इस दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि तकनीक और चिकित्सा विशेषज्ञता विकल्प नहीं बल्कि एक–दूसरे की सहयोगी शक्तियां हैं। भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक व टीएसआई उत्तराखंड की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक और टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में इसका महत्व और अधिक है। एम्स ऋषिकेश की इमरजेंसी मेडिसिन विभागाध्यक्ष व टीएसआई उत्तराखंड की मानद सचिव डॉ. निधि कैले ने कहा कि पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन के जरिये विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध कराना सांप के काटने जैसे आपात मामलों में उपयोगी साबित हो सकता है। टीएसआई अध्यक्ष व मोहन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील श्रॉफ ने एआई इनोवेशन बनाम डेटा प्रोटेक्शन विषय पर स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के बढ़ते उपयोग के साथ मरीजों के डेटा की गोपनीयता और जिम्मेदार एआई के महत्व पर चर्चा की।

गिरीश चंद्र पांडे सहित 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ दी तहरीर

ऋषिकेश। हल्द्वानी में आठ अगस्त को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण के मामले में कार्रवाई न होने पर महानगर कांग्रेस कमेटी ऋषिकेश ने कोतवाली में तहरीर दी। इसमें गिरीश चंद्र पांडे सहित 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल और महानगर अध्यक्ष ललित मोहन मिश्र ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक भेदभाव और अपमानजनक मानसिकता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने पुलिस से राजनीतिक दबाव से मुक्त निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदेश महासचिव जयेंद्र रमोला और पूर्व कबीना मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि सामाजिक समरसता की बात करने वाली सरकार में ऐसी घटना पर कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक में मृतक केतन लाल प्रकरण में शामिल अन्य दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने भीम आर्मी के साथ कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया। डीएम नितिका खंडेलवाल ने परिजनों से वार्ता करते हुए कहा कि मामले की निष्पक्षता से जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी लेकिन परिजन पहले गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे जिससे वार्ता विफल रहने पर वे शाम तक धरने पर बैठे रहे। कलेक्ट्रेट परिसर में मृतक केतन लाल प्रकरण में पिछले आठ दिनों धरने पर बैठे परिजनों ने सोमवार को इस प्रकरण में शामिल सह आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। धरना स्थल से जुलूस के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में तालाबंदी करने बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों को पुलिस ने जबरन रोक दिया। इससे गुस्साए लोगों ने

पुलिस–प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर वहीं धरने पर बैठ गए। धरना स्थल पर हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता आंदोलन चलता रहेगा। भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दलीप बर्मन ने बताया कि कलेक्ट्रेट गेट पर धरना देने के कुछ देर बाद डीएम ने परिजनों को वार्ता लिए बुलाया। डीएम ने कहा कि सीबीसीआईडी को जल्द जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

शुद्धिकरण कांड पर कांग्रेस का मोर्चा: पछुवादून के चार थानों में पहुंची तहरीर

देहरादून। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद कार्यक्रम स्थल के कथित शुद्धिकरण को लेकर कांग्रेस ने पछुवादून में मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सेलाकुई, सहसपुर, विकासनगर और कालसी थानों में पहुंचकर अलग–अलग तहरीरें सौंपते हुए मामले में कथित दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस की ओर से कहा गया कि घटना को तीन सप्ताह से अधिक समय बीतने के बावजूद दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं, सामाजिक न्याय और कथित जातिगत भेदभाव के मुद्दे पर आवाज उठाने वाले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर भी कांग्रेस ने प्रदेश सरकार और प्रशासन पर सवाल खड़े किए।

प्रीतम सिंह के नेतृत्व में सेलाकुई में तहरीर

सेलाकुई थाने में चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष

एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसजनों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कथित शुद्धिकरण प्रकरण को लेकर तहरीर सौंपते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि एक ओर कथित शुद्धिकरण मामले में अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जबकि दूसरी ओर सामाजिक न्याय के मुद्दे पर आवाज उठाने वाले विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस ने इसे प्रशासन की निष्पक्षता और प्रदेश सरकार की जवाबदेही से जोड़ते हुए सवाल उठाए।

सहसपुर थाने में भी कांग्रेस का प्रदर्शन

सहसपुर थाने में भी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पहुंचकर तहरीर दी। इस दौरान पछुवादून जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय किशोर, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताहिर अली, गुलजार अहमद और विपुल जैन समेत अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जातिगत भेदभाव और सामाजिक वैमनस्य से जुड़े किसी भी कथित कृत्य की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

बरसात में कमर तोड़ रहे गड्ढें, नींद में सिस्टम

शहर में बदहाल पड़ी हैं अधिकांश सड़कें

कोटद्वार में सड़क पर बने गड्ढें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में शायद ही कोई ऐसी मुख्य सड़क हो, जो इन दिनों गड्ढों से अछूती हो। वर्षाकाल में सड़कों पर बने ये गड्ढे मिट्टी व रेत से भी भरे हुए हैं। ऐसे में भारी वाहनों के गुजरते ही सड़क पर कीचड़ फैल रहा है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि पूर्व में शिकायतें किए जाने के बावजूद सरकारी सिस्टम की नजर अब तक इन गड्ढों पर नहीं पड़ी है।

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत चालीस वार्डों को जोड़ने वाली मुख्य सड़कें राहगीरों को जख्म दे रही है। देवी रोड से तड़ियाल चौक को जाने वाले मार्ग पर सड़क गड्ढों के बीच खो गई है। जल निगम कार्यालय के समीप गड्ढों में वर्षा के दौरान बहने वाला कीचड़ व रेत जमा हो जाता है। ऐसे में वाहन चलने पर पूरा धूल का गुब्बार बना रहता है। यही स्थिति यहां से बीईएल को जाने वाले मार्ग की बनी हुई है। मानपुर से बेलाडाट को जाने वाली सड़क तो पूरी तरह बदहाल पड़ी हुई है। हल्की वर्षा होने पर गड्ढो पानी से भर जाते हैं। जिससे दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। दुर्गापुरी, मवाकोट, हल्दूखाता सहित अन्य मुख्य सड़कों की भी यही स्थिति बनी हुई है।

चंद माह में बदहाल सड़क

शिवपुर से महाविद्यालय को जाने वाली सड़क की लोक निर्माण विभाग ने चंद माह पूर्व ही मरम्मत करवाई थी। लेकिन, वर्तमान में यह सड़क दोबारा से बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है। इंटरनेट मीडिया पर क्षेत्रवासी सड़क की गुणवत्ता व सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि शहर में केवल खानापूर्ति के लिए सड़क मरम्मत की जाती है। चंद माह बाद ही सड़कें पूरी तरह बदहाल हो जाती हैं। बदहाल सड़क पर कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

गार्गी चमोली ने श्रीनगर का नाम किया रोशन

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के अंतर्गत ढामक की मूल निवासी स्व. सूर्य प्रकाश चमोली एवं अंजली देवी की पुत्री गार्गी चमोली ने जेआरएफ-नेट में देशभर में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। गार्गी की इस शानदार उपलब्धि से गांव में खुशी की लहर है।

गांव में संचालित आनंदा इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक डॉ. उत्तम सिंह भंडारी ने गार्गी को बधाई देते हुए उनसे विद्यालय का भ्रमण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि गार्गी की सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। खुशी जताने वालों में आनंदा इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य गीता भंडारी, ग्राम सभा ढामक की पूर्व प्रधान सावित्री शाह, सुमन चमोली, कुलदीप चमोली, धन सिंह, प्रवीण चमोली, दीपक थापलियाल आदि शामिल रहे। वहीं राजकीय इंटर कॉलेज हिंसरियाखाल से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली प्रिया बंगवाल ने नेट में 97 परसेंटाइल हासिल कर सफलता प्राप्त की है। प्रिया की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. हर्षमणि पांडेय व अन्य शिक्षकों ने प्रिया बंगवाल को बधाई दी। (एजेंसी)

वेद प्रचार महोत्सव में गूंजे वैदिक मंत्र, घर-घर वेद पहुंचाने का लिया संकल्प

कोटद्वार में वेद प्रचार महोत्सव के शुभारंभ पर यज्ञ करते आर्य समाज के सदस्य।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आर्य समाज कोटद्वार में सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण और यज्ञ के साथ वेद प्रचार महोत्सव का शुभारंभ हुआ। महोत्सव के दौरान आर्य समाज से जुड़े लोगों ने वेदों के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नजीबाबाद रोड स्थित आर्य समाज भवन में आयोजित कार्यक्रम में बदायूं से पहुंचे भजन उपदेशक संजीव ने यज्ञ के महत्व और उससे होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से यज्ञ करना चाहिए। यज्ञ से वातावरण की शुद्धता के साथ ही मन और जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि यज्ञ को केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं समझना चाहिए। यह मानव कल्याण का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक माध्यम भी है। वैदिक मंत्रों के उच्चारण से मानसिक शांति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज का उद्देश्य वैदिक विचारधारा और मंत्रों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। समाज को बेहतर दिशा देने के लिए सभी को मिलकर गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महेश वर्मा, भरत लाल, आनंद प्रकाश, हिमांशु, नवीन, मीना अग्रवाल, रेनू नेगी समेत आर्य समाज के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

लैंसडाउन-फतेहपुर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग

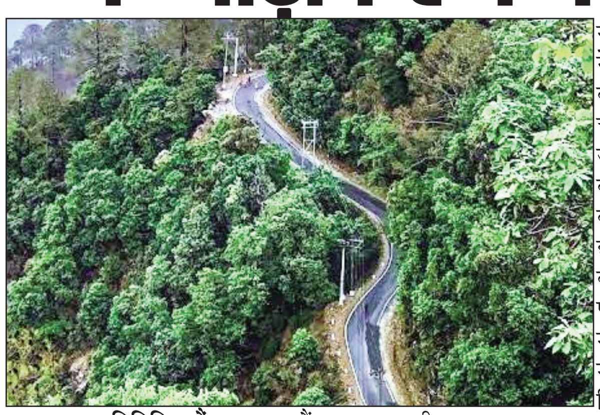

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडाउन : लैंसडाउन छावनी क्षेत्र के निवासियों ने क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क समस्या को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर लैंसडाउन-फतेहपुर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग की है। छावनीवासियों का कहना है कि मार्ग की सीमित चौड़ाई के कारण यातायात संचालन में दिक्कतों के साथ ही स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मार्ग की वर्तमान स्थिति का सर्वे कराकर चौड़ीकरण की कार्य योजना तैयार की जाए तथा आवश्यक स्वीकृति प्रदान कर कार्य को जल्द शुरू कराया जाए। कांग्रेस नेता गंभीर सिंह ने छावनीवासियों की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि लैंसडाउन-फतेहपुर मार्ग क्षेत्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। कहा कि मार्ग का चौड़ीकरण होने से स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र के पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनहित से जुड़े इस मामले को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। छावनीवासियों ने भी उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री स्तर से मामले का संज्ञान लेकर जल्द सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर में सात सितंबर तक लें प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम एवं सप्तम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश एवं शुल्क पोर्टल पुनः खोल दिया है। पोर्टल 31 अगस्त से सात सितंबर रात 10 बजे तक खुला रहेगा। यह सुविधा निर्धारित न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता पूरी करने वाले विद्यार्थियों के लिए है। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसांई ने बताया कि तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर यूजरनेम एवं पासवर्ड से लॉगिन कर शुल्क जमा कर सकते हैं। वहीं ईयर-बैक विद्यार्थियों को शुल्क जमा करना होगा। पंचम एवं सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को दस्तावेज सत्यापन के बाद रोल नंबर के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। विद्यार्थियों को सात सितंबर तक दस्तावेज सत्यापन सहित प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। (एजेंसी)

शुद्धीकरण को लेकर कांग्रेस ने जताया आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद रामलीला मैदान में कथित शुद्धीकरण किए जाने के मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस ने घटना को अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताते हुए आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।

सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कोटद्वार कोतवाली पहुंचे। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी को तहरीर सौंपकर मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण ने बताया कि आठ अगस्त को हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली आयोजित हुई थी। आरोप है कि उनके कार्यक्रम से लौटने के बाद 10 अगस्त को श्री राम धर्मार्थ सेवा न्यास के अध्यक्ष गिरीश चंद्र पांडे समेत करीब 15 अज्ञात लोगों ने मैदान में यज्ञ कराया और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्धीकरण किया। इस पूरी कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किया गया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे अनुसूचित समाज से आते हैं और वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ कई बार सांसद रह चुके हैं। ऐसे में उनके भाषण के बाद मैदान को शुद्ध करने की कार्रवाई अनुसूचित जाति समाज को अपमानित करने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की गतिविधियां समाज में छुआछूत की भावना को बढ़ावा देती हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मामले को संविधान के अनुच्छेद 14 और 17 की भावना के विपरीत बताते हुए लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। तहरीर देने वालों में प्रवीण रावत, बलवीर सिंह रावत, विनोद नेगी, विजय रावत, चंद्रमोहन सिंह रावत, गुड्डू सिंह चौहान और अमित राज सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पांच सितंबर को कोटद्वार से निकलेगी देवभूमि खेल चेतना यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से देवभूमि खेल चेतना यात्रा का दूसरा चरण पांच सितंबर से कोटद्वार से शुरू होगा।

खेल जगत फाउंडेशन की पहल पर आयोजित यह यात्रा खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग और पर्यटन विभाग के सहयोग से निकाली जाएगी। गढ़वाल मंडल के विभिन्न जनपदों से गुजरने के बाद यात्रा 17 सितंबर को देहरादून में संपन्न होगी। खेल जगत फाउंडेशन के संस्थापक एवं यात्रा संयोजक रतन गुप्ता ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही पलायन, नशे जैसी सामाजिक समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसके अलावा लोक संस्कृति और पर्यटन के संरक्षण तथा अधिक से अधिक युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों के दूरस्थ इलाकों तक पहुंचकर युवाओं और आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की खेल तथा युवा कल्याण से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ खेल के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। रतन गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2022 में देवभूमि खेल चेतना यात्रा का आयोजन उत्तराखंड के सभी 13 जनपदों में किया गया था। अब वर्ष 2026 में अभियान के दूसरे चरण को पहले से अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। यात्रा के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को मंच देने और प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

सूखा पेड़ राहगीरों और दुकानदारों के लिए बना खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : बजीरों का बाग मार्ग पर लंबे समय से खड़ा सूखा शीशम का पेड़ राहगीरों और दुकानदारों के लिए खतरा बना हुआ है। पेड़ की सूखी शाखाएं बिजली की तारों से सटी हैं, जबकि कई अन्य शाखाएं जीएमओयू पेट्रोल पंप परिसर की ओर झुकी हुई हैं। पेड़ के नीचे रोजाना तीन से चार दुकानें भी लगती हैं। मगर तेज हवा या मूसलाधार बारिश के कारण यह पेड़ गिरने की आशंका बनी है।

स्थानीय दीपक डंगवाल, तरुण और मनीष ने बताया कि पेड़ सूख चुका है। इसके नीचे सब्जी आदि बेचकर दुकानदार अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं। उन्होंने खतरे को देखते हुए पेड़ को समय रहते हटाने की मांग की। वहीं जीएमओयू पेट्रोल पंप प्रभारी राजेंद्र सिंह बुटोला ने बताया कि पेड़ की बड़ी शाखाएं पेट्रोल पंप परिसर की ओर तक आ गई हैं। इस संबंध में पार्षद और ऊर्जा निगम को भी अवगत कराया जा चुका है।

पार्षद अंजना रावत ने बताया कि इस संबंध में मेयर आरती भंडारी को पत्र दिया जा चुका है। वहीं ऊर्जा निगम के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने कहा कि मामला अभी तक संज्ञान में नहीं आया था। जल्द टीम को मौके पर भेजकर निरीक्षण कराया जाएगा। (एजेंसी)

भूस्खलन से बढ़ा खतरा, कई भवनों पर मंडराया संकट

ग्राम सभा मासी के खेतू गांव में भूस्खलन से खतरे की जद में आए भवन।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड बीरोंखाल की ग्राम सभा मासी के खेतू गांव में लगातार हो रही बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई है। गांव में जगह-जगह मलबा और भूस्खलन होने से कई आवासीय भवन खतरे की चपेट में आ गए हैं। वहीं, गांव को जोड़ने वाले पैदल मार्ग भी क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हो गई है।

पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार जारी बारिश अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। खेतू गांव में कई स्थानों पर जमीन खिसकने के साथ ही भूमि में दरारें पड़ गई हैं। इससे आसपास बने मकानों को भी खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्राम प्रधान कीर्ति निधि पाल सिंह ने बताया कि भूस्खलन के कारण सुरेंद्र सिंह रावत के आवासीय भवन के ठीक नीचे की जमीन खिसक गई है। इससे मकान के लिए खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि खतरे की जद में आए भवनों और वहां रह रहे परिवारों की सुरक्षा को देखते हुए शासन-प्रशासन को तत्काल मौके पर टीम भेजकर स्थिति का जायजा लेना चाहिए। ग्रामीण संजय सिंह रावत ने बताया कि गांव की समस्या को लेकर जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है। पत्र के माध्यम से प्रशासन से खेतू गांव का स्थलीय निरीक्षण कराने और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से गांव में राहत एवं बचाव अभियान चलाने, क्षतिग्रस्त रास्तों को दुरुस्त करने और खतरे की जद में आए भवनों की सुरक्षा के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

पीएचसी सबदरखाल में ग्रामीणों को नहीं मिल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कोट ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सबदरखाल में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। क्षेत्र के 39 से अधिक गांव के लोगों का स्वास्थ्य इसी अस्पताल पर निर्भर हैं। अस्पताल केवल एक ही चिकित्सक के भरोसे चल रहा है। अस्पताल में मामूली जांचे भी नहीं हो पा रही है। जिस कारण मरीजों की बीमारी का समय से पता नहीं चल पा रहा है। जिससे ग्रामीण अन्य अस्पतालों में जाने को मजबूर है। पौड़ी-देवप्रयाग राज्य राजमार्ग पर स्थित पीएचसी सबदरखाल में सबदरखाल बाजार समेत कुंडी, रणाकोट, कोटा, समन, नौगांव, पाली, चपरौली समेत 39 से अधिक गांवों का एकमात्र अस्पताल है, लेकिन अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव बना हुआ है। क्षेत्र पंचायत सदस्य कुंडी सुमन, रेखा देवी का कहना है कि क्षेत्र की बड़ी आबादी इसी अस्पताल के भरोसे है, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर मरीजों की खून की जांच समेत अन्य सामान्य जांचें तक भी नहीं हो पा रही है। जिला अस्पताल से एंबुलेंस बुलाने के लिए मरीजों को काफी देर इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीण सिपाल सिंह ने कहा कि इतनी बड़ी आबादी केवल एक ही चिकित्सक के भरोसे है। समय पर उपचार नहीं मिलने से ग्रामीणों को जिला अस्पताल या श्रीनगर ही जाना पड़ता है।

पुलिस ने पुजारी सहित तीन लोगों के बयान किए दर्ज

यमकेश्वर। फल्दाकोट स्थित प्रसिद्ध भुवनेश्वरी माता मंदिर में चांदी के छत्र चोरी के मामले में लक्ष्मणझूला थाना पुलिस हरकत में आई है। नीलकंठ चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मंदिर परिसर में पहुंचे। उन्होंने मंदिर के पुजारी भगतराम सहित तीन अन्य व्यक्तियों के बयान दर्ज किए। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। नीलकंठ चौकी प्रभारी लक्ष्मण सिंह कुंवर ने बताया कि मौके पर पहुंचकर अलग-अलग लोगों के बयान दर्ज किए गए। वहीं भुवनेश्वरी माता मंदिर समिति प्रधान राकेश भट्ट से फोन पर बात कर बयान दर्ज किए। चौकी प्रभारी ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। वहीं मंदिर से छत्र चोरी होने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

गढ़वाली और जौनसारी लोक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कोटद्वार। डॉ. पी. डी. बी. हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम सभागार में अखिल भारतीय शिक्षा समागम के तत्वावधान में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) डी. एस. नेगी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. नवीन चंद्र खंडूड़ी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का औपचारिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंच का कुशल संचालन प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने किया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति के साथ-साथ देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एम.ए. की छात्रा प्रियंका ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत कर सभागार में उत्साह एवं देशप्रेम की भावना का संचार किया।

दिव्यांका एवं खुशी ने गढ़वाली खुदेड़ गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया, जबकि नवीन ने पारंपरिक गढ़वाली चांचरी प्रस्तुत कर लोक संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। अभिलाष, नवीन, प्रियंका, दिव्यांका, खुशी एवं शिखा की टीम ने पारंपरिक गढ़वाली चौंफला नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

इसी क्रम में जान्हवी, प्रियांशी, आकांक्षा, सांची, खुशी गोदियाल, कुणाल, आभाष एवं आयुष ने ऊर्जावान जौनसारी सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं प्रियंका, सुहानी, कुमुद, नव्यता, कृतिका एवं आकांक्षा ने मनमोहक गढ़वाली सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर उत्तराखंड की लोक संस्कृति के विविध रंगों को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम के अवसर पर संगीत समिति के सदस्य डॉ. नवीन चंद्र खंडूड़ी, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. रवींद्र कुमार सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र संघ के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपरा एवं देशभक्ति की भावना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्टपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्यय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, केडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	173-DRM-MB-26-27 Dt : 25.08.2026
कार्य का नाम	Loading, leading, unloading and stacking of P.way materials, PSC line sleeper, T/out sleepers, Rails, TWS or switch, CMS, SEJ, GLued joint, US / SH sleeper, P.way fittings etc from any plant / track depot to TD/CBJ or any station over MB division and from TD/CBJ to various station over MB division and any station to any station over MB division in the section of SSE/TD/CBJ under Sr DEN/C/MB
निविदा का प्रकार	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	22.09.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 hrs
अनुमानित लागत	3,23,86,399.12
धरोहर राशि	6,47,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 Months
बिडिंग आरंभ तिथि	08.09.2026

नं. 75-W/2/3/WA/DEN/Track/T.Notice दिनांक : 31.08.2026 2999/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शिक्षक दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का होगा सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की बैठक में शिक्षक दिवस के अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर भी कई प्रस्ताव पारित किए गए।

देवी मंदिर स्थित एक होटल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष प्रवेश नवानी ने की। उन्होंने बताया कि पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक हासिल करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले दो शिक्षकों को पंडित दीन दयाल नवानी स्मृति शिक्षक सम्मान प्रदान किया जाएगा। बैठक में शहर की मूलभूत समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मंच ने रेलवे स्टेशन से सटी दुकानों को अन्यत्र विस्थापित करने, शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त करने और आबादी वाले क्षेत्रों में जंगली जानवरों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। इसके अलावा लंबे समय से बंद पड़े कॉर्बेट रिजॉर्ट को दोबारा संचालित करने और लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग भी शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रकाश कोठारी, शिव प्रकाश कुकरेती, सत्यनारायण नौटियाल, शशि मोहन उनियाल, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, मदनमोहन कोठारी, राजेंद्र कुमार वर्मा, सत्येंद्र प्रसाद खुगशाल, राकेश लखेड़ा, विजय लखेड़ा और शिव सिंह नेगी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	30/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:- हरिद्वार स्टेशन और कुंभ क्षेत्र में नए सब-स्टेशन और अन्य बिजली आपूर्ति व्यवस्थाओं के लिए विद्युत कार्य।	4,09,43,887.57 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद	8,18,900.00	4 (चार) माह	निविदायें दिनांक 21.09.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद

निविदा सूचना सं.: 29/2026 दिनांक: 28.08.2026 2995/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

यूकेडी अंदरूनी चुनौतियों से परेशान

उत्तराखंड की विधानसभा चुनाव अब सर पर है और यहां के मुख्य राजनीतिक दल अपनी आगामी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। वही उत्तराखंड का क्षेत्रीय उत्तराखंड क्रांति दल अपने संगठन के भीतर की घमासान से ही जूझ रहा है। हालिया विवाद के बाद तो स्थिति यह हो गई है की यूकेडी की राजनीति के जमीन ही डगमगने लगी है। यूकेडी के लिए बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन करती है बल्कि उसे अपने संगठन के भीतर ही कूट रहे ज्वालामुखी से दिक्कतें पैदा होने लगी है। राज्य गठन के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ने वाला दल असंतोष, नेतृत्व विवाद और जनाधार के क्षरण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। राज्य बनने के बाद पार्टी लगातार गुटबाजी और नेतृत्व संघर्ष से प्रभावित होती रही। कई बार पार्टी टूटती और जुड़ती रही, जिसका सीधा असर उसके चुनावी प्रदर्शन पर पड़ा। आज स्थिति यह है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सिमटी राजनीति में यूकेडी अपनी खोई हुई जमीन तलाश रही है। वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वह अपने आंतरिक मतभेदों को भुलाकर जनता के बीच एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर पाएगी। उत्तराखंड के मूल मुद्दे–भू–कानून, मूल निवास, पलायन, बेरोजगारी और पर्वतीय क्षेत्रों के विकास–आज भी प्रासंगिक हैं। इन्हीं मुद्दों पर यूकेडी ने एक जन आंदोलन छेड़ा था, इसके बाद यह पार्टी न केवल मजबूत होकर उभरी थी बल्कि राज्य के लोगों का भावनात्मक जुड़ाव भी इस पार्टी से हुआ था। आज परिस्थितियों पूरी तरह से बदल चुकी है और पार्टी के अंदर ही घमासान मानो थमने का नाम नहीं ले रहा है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए यूकेडी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही है। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच नई ऊर्जा पैदा करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। हालांकि यह तैयारी तभी प्रभावी होगी जब नेतृत्व एकजुट दिखाई देगा और जनता के सामने स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि प्रस्तुत करेगा। उत्तराखंड की राजनीति तेजी से चुनावी मोड में प्रवेश कर रही है। भाजपा और कांग्रेस अपनी रणनीतियों को धार दे रही हैं, जबकि छोटे दल भी सक्रिय हो रहे हैं। ऐसे माहौल में यूकेडी के लिए यह समय आत्ममंथन का है। यदि आंतरिक संघर्ष समाप्त नहीं हुआ तो पार्टी एक बार फिर चुनावी हाशिये पर पहुंच सकती है। लेकिन यदि नेतृत्व और कार्यकर्ता राज्य आंदोलन की भावना को पुनर्जीवित करने में सफल रहे, तो यूकेडी उत्तराखंड की राजनीति में नई भूमिका निभा सकती है। आगामी विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं होंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति का भविष्य क्या होगा। उत्तराखंड क्रांति दल के लिए यह चुनाव अस्तित्व और पुनर्जागरण दोनों की परीक्षा है। जनता की अपेक्षाएं अब भी उन दलों से जुड़ी हैं जो पहाड़ के मूल मुद्दों को ईमानदारी से उठाएं। यूकेडी के सामने अवसर भी है और चुनौती भी। अब यह पार्टी के नेतृत्व पर निर्भर करता है कि वह घमासान को समाप्त कर जनविश्वास अर्जित करती है या फिर सिर्फ विधानसभा चुनाव में उपस्थिति मात्र तक सीमित होकर रह जाती है। यूकेडी को जरूरत है कि वह अपने आपसी मतभेद बुलाकर एक मंच पर अपनी एकता दिखाएं तभी आगामी विधानसभा चुनाव में संघर्ष करने लायक स्थिति पैदा हो सकेगी।

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलन: विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

विनोद सिंह 'तकियावाला'

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज : कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशिला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा : हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा : स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैनिक विद्रोह

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकालने की कार्रवाई शुरू करना असांविधानिक है।कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असांविधानिक है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर?

कुआलालंपुर, एजेंसी। मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी : पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे : मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोंस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोंस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोंस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!

बच्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की'? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न'? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने

मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो.? ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार

अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का

तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो

रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित

है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए।

दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे

माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दबाव रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...

ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

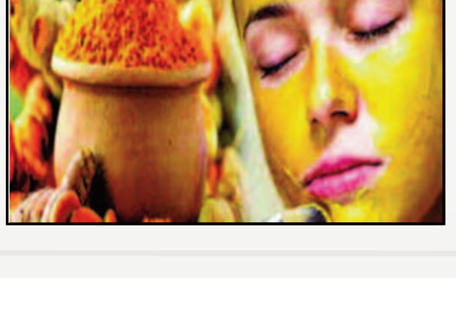

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

फ्रोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नींबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नींबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1,1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा) शिमला मिर्च-1 (बारीक कटी), चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में कंफूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

जगमोहन डांगी को मिला पर्यावरण गौरव सम्मान

दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीरथ सिंह रावत ने किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विगत कुछ वर्षों से समलौण पर्यावरण एवं समाजिक संस्था के सानिध्य में पौड़ी जिले के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में संस्कार के तौर पर वृक्ष लगाकर कर पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने वाले ग्रामीण पत्रकार जगमोहन डांगी को देश की राजधानी दिल्ली में हरेला महोत्सव के उपलक्ष्य में कांस्टीट्यूशन क्लब में पर्यावरण गौरव सम्मान से नवाजा गया जगमोहन डांगी विगत 25 वर्षों से मैती के तर्ज पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर समलौंण समाजिक एवं पर्यावरण संस्था से प्रेरित होकर विगत पांच वर्षों से अपने क्षेत्र में प्रत्येक शुभ संस्कार के अवसर पर लोगो को एक पेड़ समलौंण के तौर लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नई दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां

जगमोहन डांगी को पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीरथ सिंह रावत द्वारा यह गौरव सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रहे कई प्रबुद्धजनों को ह्लपर्यावरण गौरवह्न सम्मान प्रदान किया गया। सभी सम्मानित व्यक्तियों को यह सम्मान पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी डॉ. विनोद बछेती, राज्य आंदोलनकारी हरिपाल रावत, हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा उत्तराखंड प्रदेश कार्यकरणी सदस्य संजय दरमोड़ा, के.सी पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। जगमोहन डांगी ने समलौंण समाजिक एवं पर्यावरण संस्था के संस्थापक बीरेंद्र दत्त गोदियाल का आभार व्यक्त हुए कहा कि उन्होंने अपने साथ जोड़कर मुझे पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने प्रेरित किया है। यह सम्मान मेरे लिए व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं अधिक, पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का सम्मान है।

हल्द्वानी मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के दौरान हुए कथित विवाद को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोतवाली में पुलिस को तहरीर सौंपी। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की मांग की। तहरीर सौंपने वालों में महानगर अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल, प्रदेश सचिव वीरेंद्र सिंह नेगी, संदीप नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

मासिक धर्म के प्रति झिझक और भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब ने श्रीयंत्र यूथ क्लब के सहयोग से स्कूल हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, किलकिलेश्वर में छात्राओं के लिए 'रेड टॉक' कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म में स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा उनसे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना था।

मुख्य वक्ता गढ़वाल विवि की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका जोशी ने कहा कि मासिक धर्म एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, जिसके प्रति समाज में व्याप्त झिझक और भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता संबंधी सही आदतों को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब श्रीनगर के अध्यक्ष अनिल ढौडियाल, सचिव डॉ. हरीश भट्ट, कार्यक्रम संयोजक उषा चौधरी, दिनेश प्रसाद जोशी, डॉ. प्रदीप अंथवाल, प्रधानाचार्य डॉ. मीना सेमवाल, प्रवक्ता मंजू रावत, शकुंतला चौहान, अनुपम बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर्व को लेकर सजने लगी दुकानें

श्रीनगर गढ़वाल : रक्षाबंधन के बाद अब कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व कारोबार को नई रफ्तार दे रहा है। गोला बाजार, गणेश बाजार और काला रोड समेत प्रमुख बाजारों में कान्हा की रंग-बिरंगी पोशाक, झूले, मुकुट, बांसुरी, मोरपंख और श्रृंगार सामग्री से दुकानें सजने लगी हैं। इससे कारोबारियों के चेहरे भी खिले हैं। दुकानदार मुकेश अग्रवाल ने बताया कि इस बार जन्माष्टमी के लिए कान्हा की पोशाक और श्रृंगार सामग्री में कई नई वैरायटी आई हैं। मोती जड़ित और सितारों से सजी ड्रेस के साथ मुकुट, हार, बांसुरी, मोरपंख और अन्य श्रृंगार सामग्री ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। आकर्षक झूले और आसन भी अलग-अलग डिजाइनों में उपलब्ध हैं। बाजार में गाय और ग्वालों के साथ कान्हा की मूर्तियों के अलावा मक्खन खाते बाल गोपाल भी लोगों को पसंद आ रहे हैं। कान्हा की पोशाक की कीमत 30

रुपये से शुरू होकर डिजाइन और सजावट के अनुसार करीब 600 रुपये तक है। मुकेश अग्रवाल ने कहा कि जन्माष्टमी नजदीक आने के साथ बाजार में ग्राहकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। (एजेंसी)

सड़क खोल रही जेसीबी के चालक पर गिरा पत्थर, मौत

रायणबगड़। परखाल–डुंग्री मार्ग पर भूस्खलन के कारण बंद पड़ी सड़क को खोल रहे एक जेसीबी चालक पर पहाड़ी से पत्थर गिर गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे हायर सेंटर केंद्र रेफर किया गया। मगर कर्णप्रयाग अस्पताल पहुंचने से पहले की घायल की मौत हो गई। घायल चालक की पहचान सोमपाल (27) के रूप में हुई है जो नेपाल का निवासी है। बारिश के कारण परखाल–डुंग्री सड़क रैंगांव–सीरी के बीच भारी भूस्खलन से बंद हो गई। यह सड़क एक पखवाड़े से लगातार बाधित हो रही है। सोमवार को जेसीबी मलबा हटा रही थी कि अचानक पहाड़ी से एक पत्थर छिटककर जेसीबी चालक सोमपाल पर जा गिरा। उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणबगड़ लाया गया। फार्मेसी अधिकारी केडी भट्ट ने बताया कि घायल की स्थिति चिंताजनक थी। इसलिए उसे उपजिला अस्पताल कर्णप्रयाग रेफर किया गया।

शहीद आंदोलनकारियों के सपने को पूरी प्रतिबद्धता के साथ साकार कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने खटीमा एवं मसूरी में शहीद हुए राज्य आंदोलनकारियों को किया नमन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के लिए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान के कारण ही उत्तराखण्ड राज्य का सपना साकार हुआ। शहीद आंदोलनकारियों ने उत्तराखण्ड के जिस स्वरूप का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 सितंबर को खटीमा कांड, 2 सितंबर को मसूरी गोलीकांड और 2 अक्टूबर को रामपुर तिराहा कांड उत्तराखण्ड के इतिहास के वे काले अध्याय हैं, जिन्हें हम कभी भुला नहीं सकते। राज्य निर्माण के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले

अमर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान प्रदेशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके आश्रितों के सम्मान और कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये हैं। उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के दौरान शहीद हुए राज्य आन्दोलनकारियों के आश्रितों की पेंशन प्रतिमाह 3,000 रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए किए जाने का फैसला लिया गया है। इसी प्रकार, राज्य आन्दोलन के दौरान विकलांग होकर पूर्णतः शय्याग्रस्त हुए राज्य आन्दोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 20,000 रुपए से बढ़ाकर 30,000 रुपए किए जाने तथा उनकी देखभाल के लिए मेडिकल अटेंडेंट की व्यवस्था किए जाने का निर्णय लिया गया है। जबकि राज्य आन्दोलन के दौरान 7 दिन जेल गए अथवा घायल हुए आन्दोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 6,000 रुपए से बढ़ाकर 7,000 रुपए किए जाने तथा जेल गए या घायल श्रेणी से भिन्न अन्य राज्य आन्दोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 4,500 से बढ़ाकर 5,500 रुपए की गयी है।

संक्षिप्त समाचार

मान्यता के लिए 200 से ज्यादा मदरसों ने नहीं किया आवेदन

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड भंग हुए दो महीने बीत चुके हैं। इसके बावजूद प्रदेश के 452 मदरसों में से अधिकतर बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अनुसार, 200 से अधिक मदरसों ने अभी तक मान्यता के लिए आवेदन तक नहीं किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मुताबिक नियमानुसार ऐसे सभी मदरसे बंद होंगे।

मदरसों में पढ़ रहे बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके इसके लिए धामी सरकार ने एक जुलाई 2026 को मदरसा बोर्ड भंग कर उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया था। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष के मुताबिक इसके पीछे सरकार की मंशा थी मदरसों के बच्चे धार्मिक शिक्षा तक सीमित न रहें।

वे विज्ञान, गणित और तकनीक सीखकर चिकित्सक, अभियंता, वास्तुकार, अधिवक्ता, पायलट और सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होकर बड़े अधिकारी बन सकें, लेकिन मदरसे, शिक्षा विभाग से मान्यता न लेकर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रशासन ने बिना मान्यता चल रहे मदरसों के खिलाफ अब सख्ती बढ़ा दी है। अधिकारियों के मुताबिक हाल में हरिद्वार जिले के मंगलौर में दो मदरसों को सील किया जा चुका है। प्रदेश में बिना मान्यता के चल रहे अन्य मदरसों के खिलाफ भी शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

खरगे की सभा स्थल का शुद्धीकरण करने वालों पर हो कार्रवाई

नई टिहरी/घनसाली/चंबा। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर सभा स्थल का शुद्धीकरण करने पर कांग्रेसियों ने कड़ी नाराजगी जताई है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस थाने को दिए ज्ञापन में दोषियों के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद मैदान का शुद्धीकरण कर वीडियो वायरल करना भाजपा के लोगों की दलित विरोधी मानसिकता सार्वजनिक हुई है। ज्ञापन देने वालों में कुलदीप सहित शहर महासचिव गबर सिंह रावत, सोहन सिंह, लखवीर चौहान, प्रमोद पंवार, राजेंद्र पैन्यूली, शंभू भंडारी, देवेंद्र नौडियाल, सुरेश जोशी आदि शामिल थे।

देवाल में दो मार्ग एक पखवाड़े से बंद

देवाल। हाटकल्याणी–बेराधार और देवसारी–ग्वालदम मोटर मार्ग पिछले एक पखवाड़े से अधिक समय से बंद हैं। बारिश के कारण मलबा और बोल्डर आने से ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। वहीं, देवसारी–ग्वालदम मार्ग गिवाईगैर में बाधित है। ऐसे में ग्रामीण पांच से सात किलोमीटर पैदल चलकर देवाल बाजार पहुंच रहे हैं और सामान पीठ पर ढो रहे हैं। गर्भवती महिलाओं और रोगियों को अस्पताल पहुंचने में सबसे अधिक दिक्कत आ रही है। अठू गांव के सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश मिश्रा और सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पीएमजीएसवाई विभाग अभी तक सड़क नहीं खोल पाया है। ग्रामीणों ने शीघ्र मार्ग खोलने की मांग की है।

जनता दरबार में सीडीओ ने सुनी ग्रामीणों की शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों ने अपने क्षेत्र की शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा दीवार निर्माण, जंगली जानवरों द्वारा पहुंचाये जा रहे फसलों को क्षति सम्बन्धी कुल 33 शिकायतों को अधिकारियों के समक्ष रखा गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मौके पर 18 शिकायतों का निस्तारण करते हुये अवशेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। ग्राम सभा गौंणा से गजेन्द्र रावत ने राजकीय इंटर कॉलेज गौंणा में शिक्षकों की तैनाती की मांग रखी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में दूरस्थ क्षेत्र धारकुमाला, दुर्मी एवं पगना के विद्यार्थी भी अध्ययन हेतु आते हैं एवं वर्तमान में विद्यालय में 5 शिक्षकों के पद खाली हैं। नन्दानगर के निवासियों ने भी राजकीय बालिका इंटर कालेज नन्दानगर में शिक्षकों को तैनात

करने की मांग मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखी। दीपक बिष्ट सदस्य, नगर पालिका परिषद चमोली ने जिला अस्पताल गोपेश्वर में डॉक्टरों के पद रिक्त होंने की शिकायत जनता मिलन कार्यक्रम में रखी। उन्होंने कहा कि बाल रोग, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं ईएनटी विशेषज्ञ जैसे महत्वपूर्ण डॉक्टरों की नियुक्ति जनहित में तत्काल की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आमजनमानस की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया की आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित एवं स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी चमोली राजकुमार पाण्डेय, मुख्य कृषि अधिकारी जयप्रकाश तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

मोनिका नौगाईं ने उत्तीर्ण की जून 2026 यूजीसी नेट परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. मनोरथ प्रसाद नौगाईं, जो वर्तमान में डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार संस्कृत विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं, की पुत्री मोनिका नौगाईं ने अपनी प्रतिभा एवं मेहनत के दम पर परिवार रोशन किया है। मोनिका नौगाईं ने जून 2026 में संस्कृत विषय से असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता परीक्षा

उत्तीर्ण की है। वर्तमान में मोनिका नौगाई गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से संस्कृत विषय में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा हैं। इनकी बीए(शास्त्री) की शिक्षा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग से हुई।

मोनिका की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, गुरुजनों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। मोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों एवं परिवार के मार्गदर्शन और सहयोग को दिया है।

रवांई की पहचान लाल धान पर मंडराया बीमारी का संकट

पुरोला। रवांई घाटी की पारंपरिक लाल धान की फसल पर बीमारी का संकट मंडराने लगा है। फसल में फफूंदजनित कॉलर शीथ रॉट और ब्लास्ट रोग के लक्षण मिलने की पुष्टि के बाद कृषि विभाग की टीम ने प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया।

कृषि विभाग की टीम ने कण्डियाल गांव, भद्राली, बसंत नगर, पोरा और नागझाला समेत आसपास के क्षेत्रों में धान की फसल का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने किसानों से फसल में बीमारी के लक्षणों और अब तक हुए नुकसान की जानकारी भी ली। विभागीय अधिकारियों के अनुसार खेतों में कॉलर शीथ रॉट एवं ब्लास्ट रोग के लक्षण पाए गए हैं। इन रोगों से धान के पौधे कमजोर होने के साथ बालियों पर भी प्रतिकूल असर पड़

सकता है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में किसानों को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रण के उपाय करने को कहा गया है। अधिकारियों ने किसानों को खेतों में साफ–सफाई रखने, खरपतवार समय पर हटाने और अनुशंसित मात्रा में कैप्टान और हेक्साकोनाजोल जैसे फफूंदनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी।

डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. पी.डी.बी. हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 (एबीएसएस) 2026–27 के तत्वावधान में आयोजित 'डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता' का परिणाम घोषित कर दिया गया है। "नई शिक्षा नीति" विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य जी ने सभी विजेता व प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता और तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देती हैं। नोडल अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नई शिक्षा नीति जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समझना और प्रदर्शित करना आज के दौर में बेहद प्रासंगिक है।रचनात्मकता और तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम संयोजक ने

प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के प्रयासों की सराहना की। घोषित अंतिम परिणामों में दिशा प्रथम , आवृति द्वितीय , अंश डोबरियाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. मीनाक्षी वर्मा, डॉ. जितेन्द्र दिवाकर एवं डॉ. गणेश चंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय परिवार ने सभी विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भू–धंसाव से यमुनोत्री हाईवे कई जगह बाधित

उत्तरकाशी। यमुनोत्री क्षेत्र में देर रात हुई बारिश के बाद भू–धंसाव और भूस्खलन से यमुनोत्री हाईवे कई जगह बाधित हो गया। हाईवे पर मलबा और पत्थर आने से स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं के वाहन भी जगह–जगह फंसे हुए हैं। भू–धंसाव के चलते 11 केवी विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से यमुनोत्री धाम सहित गीठ पट्टी के 12 गांवों की विद्युत आपूर्ति बंद हो गई है।

एनएच की टीम सुबह से हाईवे को खोलने के लिए मशीनों के साथ जुटी हुई है। एनएच के ईई मनोज रावत और निर्माण कार्य एजेंसी के पीएम गोपाली श्रीनिवासुलू रेड्डी ने बताया कि अधिक मलबा आने और भू–धंसाव के कारण हाईवे बाधित हुआ है। हाईवे को जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कुरुड़ा कॉलेज में छात्रों ने छेड़ा आंदोलन

पुरोला। बर्फिया लाल जुवांठा पीजी कॉलेज कुरुड़ा में वर्षों से अधूरे पड़े विषयों का संचालन शुरू करने और एनसीसी कोर की स्थापना की मांग को लेकर छात्रसंघ ने सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान के नेतृत्व में छात्र–छात्राएं महाविद्यालय परिसर में धरने पर बैठे। छात्रों ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान ने कहा कि पुरोला विधानसभा क्षेत्र के इस प्रमुख राजकीय महाविद्यालय में पुरोला, मोरी और नौगांव विकासखंडों के सैकड़ों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इसके बावजूद लंबे समय से कई महत्वपूर्ण विषयों का संचालन नहीं हो पा रहा है। इससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य स्थानों का रुख करना पड़ता है।

छात्रों की प्रमुख मांगों में स्नातक स्तर पर भूगोल, संस्कृत, गृह विज्ञान और चित्रकला व स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विषयों का संचालन शुरू करना शामिल है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

यूएस (एजेंसी)। चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

जोकोविच भावुक होकर रो पड़े – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछा कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविज पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं? अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर डटकर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट

एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गई. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुट्टावोंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुट्टावोंग दूसरे नंबर पर हैं. रवांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गई. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ–स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अफने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय लोगो के साथ भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

हैदराबाद (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त॥स्ष्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केवीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर (26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

हैदराबाद मैराथन के विनर – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की त्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नॉन (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3~18~22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुइयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3–0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।